छत्तीसगढ़ विधानसभा

पत्रक भाग-एक

संक्षिप्त कार्य विवरण

तृतीय विधान सभा | सत्र-नवम् | अंक-01

रायपुर, सोमवार, दिनांक 12 मार्च, 2012

(फाल्गुन-22, शक संवत 1933)

विधान सभा पूर्वाह्न 11.00 बजे समवेत हुई।

(अध्यक्ष महोदय (श्री धरम लाल कौशिक) पीठासीन हुए।)

1. राष्ट्रगीत

वन्दे मातरम् की धुन बजाई गई ।

2. महामहिम राज्यपाल का अभिभाषण

अध्यक्ष महोदय की घोषणानुसार महामहिम राज्यपाल महोदय के आगमन की प्रतीक्षा की गई।

महामहिम राज्यपाल महोदय का चल समारोह के साथ सभा भवन में आगमन हुआ।

(राष्ट्रगान **जन गण मन** की धुन बजाई गई।)

महामहिम राज्यपाल महोदय ने अभिभाषण दिया।

(राष्ट्रगान **जन गण मन** की धुन बजाई गई।)

महामहिम राज्यपाल महोदय ने चल समारोह के साथ सभा भवन से प्रस्थान किया।

(अध्यक्ष महोदय (श्री धरम लाल कौशिक) पीठासीन हुए ।)

सचिव, छत्तीसगढ़ विधान सभा द्वारा महामहिम राज्यपाल महोदय द्वारा सभा में दिये गये अभिभाषण की प्रति सभा पटल पर रखी गई ।

3. महामहिम राज्यपाल के अभिभाषण पर प्रस्तुत कृतज्ञता ज्ञापन प्रस्ताव

श्री देवजी पटेल, सदस्य द्वारा कृतज्ञता ज्ञापन प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया कि "महामहिम राज्यपाल महोदय ने जो अभिभाषण दिया, उसके लिए छत्तीसगढ़ विधान सभा के इस सत्र में समवेत् सदस्यगण अत्यन्त कृतज्ञ हैं।"

श्री संतोष बाफना, सदस्य ने प्रस्ताव का समर्थन किया।

माननीय अध्यक्ष द्वारा महामहिम राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा के लिए दिनाँक 14 एवं 15 मार्च, 2012 की तिथियाँ निर्धारित करने तथा उक्त प्रस्ताव पर मंगलवार, दिनाँक 13 मार्च, 2012 को मध्याह्न 12.00 बजे तक विधान सभा सचिवालय में संशोधन प्राप्त करने की घोषणा की गई ।

4.राष्ट्रकुल दिवस पर माननीय अध्यक्ष द्वारा अनौपचारिक उल्लेख

माननीय अध्यक्ष ने उल्लेख किया कि - राष्ट्रकुल के सदस्य देश, प्रतिवर्ष मार्च माह के द्वितीय सोमवार को **राष्ट्रकुल दिवस** के रूप में मनाते हैं ।

तदनुसार आज सोमवार, दिनांक 12 मार्च, राष्ट्रकुल दिवस है । इस वर्ष राष्ट्रकुल देशों ने **संस्कृतियों का संयोजन** को वर्ष 2012 का आधार बनाया है ।

वैश्विक परिदृश्य में मानव समाज जीवन स्तर में गुणात्मक अभिवृद्धि के लिये निरंतर प्रयत्नशील है और उसके इस प्रयास में कला, संस्कृति एवं सामाजिक अभिव्यक्ति की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है।

साझा मूल्यों एवं दृष्टि के आधार पर विविधता से परिपूर्ण संस्कृतियों को एकजुट करने में राष्ट्रकुल संसदीय संघ की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है, संयोजन की यही अद्‌भुत क्षमता हमारे राष्ट्रकुल परिवार को जीवन शक्ति प्रदान कर उसमें जीवतंता का भाव संचारित करती है।

विविध संस्कृतियां वस्तुतः लोगों की कलात्मक एवं सामाजिक अभिव्यक्ति में विशिष्टता की पहचान है। राष्ट्रकुल ने सदस्य राष्ट्रों में परस्पर सहयोग, संयुक्त, समन्वित, संतुलित प्रयास से राष्ट्रकुल नागरिकों के लिए कला, संस्कृति, मीडिया एवं खेल के क्षेत्र में वैश्विक उत्कृष्टता प्राप्त करने की दिशा में सफलताएं अर्जित की हैं।

राष्ट्रकुल सदैव नवीनता के उस स्वरूप का पक्षधर रहा है जो लोगों की परस्पर भागीदारी द्वारा विश्व को एकजुट कर एक सुसंगठित बेहतर कलात्मक एवं सामाजिक अभिव्यक्ति के वातावरण के निर्माण में सहायक सिद्ध हो रहा है।

कला, संस्कृति, मीडिया एवं खेल के माध्यम से युवाओं को जोड़ना अत्यंत आवश्यक है। वस्तुतः राष्ट्रकुल का उद्देश्य भी यही है कि युवा शक्ति को निरंतर प्रोत्साहित एवं पोषित किया जाए ताकि वे हमारे सामने विद्यमान नवीन आकर्षक अवसरों का सामयिक लाभ उठाने में सहभागी बन सकें तथा समझ सकें कि कलात्मक दृष्टि से अर्जित प्रगति ही वास्तविक प्रगति है।

इस अवसर पर मेरी शुभकामनाएं।

अपराह्न 12.09 बजे विधान सभा की कार्यवाही मंगलवार, दिनाँक 13 मार्च, 2012 (फाल्गुन, 23 शक संवत् 1933) के पूर्वाह्न 11.00 बजे तक के लिए स्थगित की गई ।

देवेन्द्र वर्मा

सचिव

छत्तीसगढ़ विधान सभा